वालों के बीच उचित शिक्षा और जागरूकता का सुझाव देता है, जैसा कि परिच्छेद में कहा गया है, *"इसकी प्रबल आवश्यकता है कि झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों को खानपान की अच्छी आदतों, स्वास्थ्यकर जीवन और स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाए, क्योंकि ये अच्छे स्वास्थ्य के मुख्य कारक हैं।"* इसलिए, यह उत्तर विकल्प लेखक द्वारा दिए गए सुझाव को सर्वश्रेष्ठ रूप से निहित करता है।

विकल्प (c) सही नहीं है। लेखक का यह मत नहीं है कि मलिन बस्तियों में उच्च रोग प्रसार, नगर निकायों की उपेक्षा के कारण है, बल्कि यह घोर अस्वास्थ्यकर आदतों के कारण है। यह अग्रलिखित पंक्तियों में दर्शाया गया है, *"घोर अस्वास्थ्यकर आदतों के कारण यहां अनेक रोग और बीमारियां व्याप्त होती हैं। आज-कल के अत्यधिक संक्रमित वातावरण में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न संक्रमणों के कारण समस्याओं का सामना कर रहा है और जाहिर है कि झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले अधिकतर सुभेद्य होते हैं, क्योंकि वे बहुत ही गंदे परिवेश में गुजर-बसर कर रहे हैं।"*

विकल्प (d) सही नहीं है। लेखक यह सुझाव नहीं देता कि स्वच्छता के महत्व का ज्ञान होने के बावजूद मलिन बस्तियों में अस्वच्छ व्यवहार जानबूझकर किया जाता है। इसके बजाय, लेखक ने झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों के बीच शिक्षा और जागरूकता का सुझाव दिया है, जैसा कि परिच्छेद के अंतिम भाग में उल्लेख किया गया है, *"इसकी प्रबल आवश्यकता है कि झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों को खान-पान की अच्छी आदतों, स्वास्थ्यकर जीवन और स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाए, क्योंकि ये अच्छे स्वास्थ्य के मुख्य कारक हैं।"*

3 (c)

विकल्प (a) सर्वोत्तम उत्तर नहीं है। प्रजातियों का नामकरण और उनका विवरण न केवल उन्हें अन्य एक जैसी प्रजातियों से पृथक करने के लिए तैयार किया जाता है बल्कि इसकी व्यापक उपयोगिता भी होती है। इसका उल्लेख अग्रलिखित पंक्तियों में किया गया है, *"... यह जीवविज्ञानियों को उसके जीव विज्ञान के बारे में प्रश्नों पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए प्रारंभिक खोज के बाद, प्रजातियों का पता लगाने और उन्हें पहचानने में समर्थ बनाता है। बाद में होने वाले ये शोध उन बातों को सामने लाते हैं जिनके कारण ये प्रजातियां, मनुष्यों और हमारे पारिस्थितिक तंत्रों के लिए मूल्यवान होती हैं।"* इसके अतिरिक्त, यह प्रजातियों के गहन अध्ययन में भी सुविधा प्रदान करता है। इसलिए इस उत्तर विकल्प का दायरा बहुत सीमित है।

विकल्प (b) सही नहीं है। लेखक यह नहीं मानता है कि प्रजातियों का नामकरण और गिनती केवल एक सरल लेखांकन प्रक्रिया है, बल्कि यह एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया है, जैसा कि परिच्छेद में उल्लेखित है कि, *"मानवता की अन्य आवश्यकताओं को देखते हुए, प्रजातियों का नामकरण और उनकी गणना एक महत्वहीन कार्य लग सकता है, लेकिन यह मात्र एक लेखा-जोखा नहीं है। प्रजातियों का वर्णन करना एक जटिल प्रक्रिया है, जिसके द्वारा जीवविज्ञानी किसी जीव की अद्वितीय विशेषताओं और वह जीव किसी अन्य वर्णित प्रजाति से संबंधित है या नहीं का निर्धारण करते हैं।"* इस प्रकार विकल्प (b) परिच्छेद का मूल भाव नहीं हो सकता क्योंकि यह परिच्छेद में उल्लिखित बातों के विपरीत है।

विकल्प (c) सही है। लेखक प्रजातियों को गिनने, उनका वर्णन करने और उनके नामकरण को बहुत महत्वपूर्ण मानता है क्योंकि यह मनुष्यों के लिए बहुत मूल्यवान है, जैसा कि अग्रलिखित पंक्तियों में उल्लेख किया गया है, *"यह जीवविज्ञानियों को इसके जीव विज्ञान के बारे में प्रश्नों पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए प्रारंभिक खोज के बाद, प्रजातियों को खोजने और उन्हें पहचानने में समर्थ बनाता है। बाद में होने वाले ये शोध उन बातों को सामने लाते हैं जिनके कारण ये प्रजातियां, मनुष्यों और हमारे पारिस्थितिक तंत्रों के लिए मूल्यवान होती हैं।"* इस प्रकार, लेखक प्रजातियों के अध्ययन को मानव की उपयोगिता और पारितंत्र के अध्ययन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से जोड़ता है। इस प्रकार विकल्प (c) परिच्छेद के मूल भाव को सर्वोत्तम रूप से दर्शाता है।

विकल्प (d) सही नहीं है। लेखक इस बात से सहमत हैं कि प्रजातियों के नामकरण और उनकी गिनती से हमें किसी जीव की अद्वितीय विशेषताओं को निर्धारित करने में मदद मिलती है और यह जानने में मदद मिलती है कि वह जीव, किसी अन्य वर्णित प्रजाति से संबंधित है अथवा नहीं, जैसा कि परिच्छेद में उल्लेख किया गया है, *"प्रजातियों का वर्णन करना एक जटिल प्रक्रिया है, जिसके द्वारा जीवविज्ञानी किसी जीव की अद्वितीय विशेषताओं और वह जीव किसी अन्य वर्णित प्रजाति से संबंधित है या*